मत! जब कोई घर से निकलता है, तो घरवाले पूछते हैं कि कौन से रास्ते पर जा रहे हो। अगर वह नेशनल हाईवे पर जा रहा होता है, तो घरवाले ऊपरवाले से दुआ करते हैं, पूजा करते हैं कि वह सही-सलामत वापस आ जाए। मैं आपको हमारे ओडिशा के नेशनल हाईवे की हालत बताना चाहता हूँ। Duburi-Chandikhole, नेशनल हाईवे 53 फोरलेन होने वाला है, वह कंपलीट नहीं हुआ है। Rajamunda to Barkote नेशनल हाईवे, जो नेशनल हाईवे 23 पर है, वह भी कंपलीट नहीं हुआ है। Bargarh to Barpali और Barpali to Balangir, नेशनल हाईवे 26 का फोरलेन होना, वह भी कंपलीट नहीं हुआ है। Angul-Sambalpur, एनएच 55, Cuttack-Angul, एनएच 55, वह भी कंपलीट नहीं हुआ है। Bhadrak-Balasore, एनएच-16, वह भी कंपलीट नहीं हुआ है और Jharsuguda to Bhojpur, एनएच 49 पर जो वाइडनिंग का काम है, वह भी कंपलीट नहीं हुआ है।

उपसभापति महोदय, नेशनल हाईवेज की हालत बहुत ही बुरी है, इसलिए मैं आपके माध्यम से, चाहे राज्य सरकार की तरफ से बोलिए या सांसद के हिसाब से भी बोलिए, पूछना चाहता हूँ कि नेशनल हाईवेज की हालत ओडिशा में इतनी बुरी क्यों है? किस कारण से, किस वजह से नेशनल हाईवे की हालत ऐसी हुई है? वह काम इतने-इतने सालों से कंपलीट क्यों नहीं हो रहा है? एक-दो कंपलीट नहीं होते हैं, वह अलग बात है, लेकिन करीब-करीब छः-सात ऐसे बड़े-बड़े प्रोजेक्ट हैं, जो कंपलीट नहीं हुए हैं और काम भी धीमा चल रहा है। वह काम भी अच्छी क्वालिटी का नहीं है, क्योंकि इधर एक साइड में कंपलीट होता है, तो दूसरे साइड का रास्ता खराब हो जाता है। मैं आपके माध्यम से अनुरोध करूँगा कि आप सरकार को निर्देश दीजिए कि नेशनल हाईवेज की जो हालत है, जितना जल्दी हो सके, उन्हें ठीक करें और लोगों के जान-माल की रक्षा करें, क्योंकि कई एक्सीडेंट्स होते हैं। आप हर एक-दो दिन में सुनेंगे कि नेशनल हाईवे में कहीं मोटर साइकिल एक्सीडेंट हो गया, कहीं कार एक्सीडेंट हो गया, कहीं ट्रक एक्सीडेंट हो गया। ऐसे बहुत सी कीमती जानें जा चुकी हैं, इसलिए मैं आपके माध्यम से अनुरोध करूँगा कि जितनी जल्दी हो सके, ओडिशा के नेशनल हाईवेज को रिपेयर किया जाए, कंपलीट किया जाए और लोगों के जान-माल को बचाया जाए, बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Muzibulla Khan: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Shri Niranjana Bishi (Odisha), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala) and Shrimati Sulata Deo (Odisha).

Shri Chunnalal Garasiya; demand for a new tourist circuit to promote tourism in Udaipur, Mewar and surrounding tribal areas.

Demand for a new tourist circuit to promote tourism in Udaipur, Mewar and surrounding tribal areas

श्री चुन्नीलाल गरसिया (राजस्थान): उपसभापति महोदय, आपने मुझे Zero Hour में बोलने का

मौका दिया है, इसके लिए आपका बहुत-बहुत आभार। मैं राजस्थान के पर्यटन सर्किटों में नए स्थलों के समावेश हेतु सर्वेक्षण की मांग कर रहा हूँ। महोदय, मैं राजस्थान वीर शिरोमणि, जो वीरता, शौर्य, त्याग, पराक्रम एवं दृढ़ निश्चय के लिए जाने जाने वाले वीर योद्धा महाराणा प्रताप और उनके सेनापति राणा पूंजा भील की धरती मेवाड़, उदयपुर से आता हूँ। उदयपुर एक विश्व प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है। इसे झीलों की नगरी भी कहा जाता है। यह उत्तरी भारत का सबसे आकर्षक पर्यटक शहर भी माना जाता है। उदयपुर को हाल ही में विश्व का सबसे खूबसूरत शहर भी घोषित किया गया है।

महोदय, वर्तमान में राजस्थान में चार पर्यटन संभाग हैं - जोधपुर, जयपुर, अजमेर और कोटा। इसी तरह राजस्थान में लगभग 10 पर्यटन सर्किट हैं। इनमें प्रमुख हैं - मरु सर्किट, जिसमें जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर जिले आते हैं; शेखावटी सर्किट, जिसमें सीकर, झुंझुनू, चूरु जिले आते हैं; ढूंढाड़ सर्किट, जिसमें जयपुर, दौसा, आमेर जिले आते हैं; ब्रज मेवात सर्किट, इसमें भरतपुर, सवाई माधोपुर, टोंक जिले आते हैं; हाड़ौती सर्किट जिसमें कोटा, बूंदी, बारा, झालावाड़ जिले आते हैं; मेवाड़ सर्किट, जिसमें उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा जिले आते हैं; मेरवाड़ सर्किट, जिसमें अजमेर, पुष्कर, मेड़ता और नागौर जिले आते हैं। गौड़वाड़ सर्किट जिसमें पाली, सिरोही, जालौर जिले आते हैं।

महोदय, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इन पर्यटन सर्किटों में ऐसे कई पर्यटन स्थल हैं, जो अभी तक इन पर्यटन सर्किटों में शामिल नहीं किए गए हैं। अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि राजस्थान में इन सभी पर्यटन सर्किटों सहित बांसवाड़ा, डूंगरपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, उदयपुर में नए पर्यटक स्थलों का सर्वेक्षण करवाकर ...(समय की घंटी)... इन स्थलों को....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Chunnihal Garasiya: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjana Bishi (Odisha), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), and Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh).

धन्यवाद माननीय चुन्नीलाल जी। माननीय श्री सामिक भट्टाचार्य; 'Demand to Check and Curb the Menace of Fake Indian Currency Notes (FICN) in the State of West Bengal'.

Demand to check and curb the menace of Fake Indian Currency Notes (FICN) in the State of West Bengal

श्री सामिक भट्टाचार्य (पश्चिमी बंगाल): माननीय उपसभापति महोदय, यह बहुत गंभीर विषय है। पिछले दो दशकों से हिंदुस्तान में किसी भी जगह कोई फेक करेन्सी पकड़ी गई, किसी आदमी को